NCERT Solutions For Class 12 Hindi Aroh (Poem)

CH 2 – पतंग

प्रश्न 1. 'सबसे तेज बौछारें गईं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।

उत्तर: कवि ने इस पंक्ति में बाल इच्छाओं का प्रकृति के साथ सुंदर चित्रण किया है। कवि कहते हैं कि वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु आती है, शरद ऋतु में हर तरफ प्रकाश फैला रहता है। शरद ऋतु के आगमन के साथ ही सभी के भीतर उत्साह भर जाता है और फूलों की सुगंध हवा में फैल जाती है।

प्रश्न 2. सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतला कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

उत्तर: पतंग के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतला कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग कवि ने इसलिए किया है क्योंकि वह अपने बचपन को याद कर रहा है और यह बातें बताकर वह उसकी कविता पढ़ने वालों के आकर्षण को बढ़ाना चाहता है। कवि का इन विशेषणों को प्रयोग करने का एक और कारण यह है कि पतंग और बच्चों में समानता है कि वह दोनो ही रंगीन और कोमल प्रवृति के होते हैं, इनमें आसमान में ऊँचा उड़ने की इच्छा होती है। बच्चे पतंग उड़ाकर यह सोचते हैं कि वे भी आसमान में उड़ रहे हैं।

प्रश्न 3. बिंब स्पष्ट करें-

"सबसे तेज़ बौछारें गईं भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर-जोर से
चमकीली इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके"

उत्तर: तेज बौछारें में दृश्य बिंब(गतिशील) होगा।
सवेरा हुआ में दृश्य बिंब(स्थिर) होगा।
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा में दृश्य बिंब(स्थिर) होगा।
पुलों को पार करते हुए में दृश्य बिंब(गतिशील) होगा।
अपनी नयी चमकीली साइकल तेज चलाते हुए में दृश्य बिंब(गतिशील) होगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घंटी बजाते हूए जोर-जोर से में (श्रव्य) बिंब होगा।
चमकीली इशारों से बुलाते हूए में दृश्य बिंब(गतिशील) होगा।
आकाश को इतना मुलायम बनाते हूए में (स्पर्श) बिंब होगा।
पतंग ऊपर उठ सके में दृश्य बिंब(स्थिर) होगा।

प्रश्न 4. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास- कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का सम्बन्ध बन सकता है।

उत्तर: कवि कहते हैं कि बच्चे बिल्कुल कपास की तरह होते है, जैसे कपास अपने छोटे रूप में कोमल और गुदेदार होता है उसी प्रकार बच्चे भी होते हैं। बच्चे जब पतंग को आसमान में पहुँचाने के लिए हवा में कूदते हैं तो पतंग के साथ खुद भी उड़ने लगते हैं। ऐसा प्रतीत होता है को वह बच्चे नहीं बल्कि रूई का कोई टुकड़ा हो जो हवा में तैर रहा हो।

प्रश्न 5. पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- बच्चों का उड़ान से कैसा सम्बन्ध है?

उत्तर: बच्चों को पतंग उड़ाते समय देखने पर ऐसा प्रतीत होता है जैसे पतंग को उड़ाते-उड़ाते वह भी आसमान में उड़ रहे हो। पतंग उड़ाने के लिए जब बच्चे अपनी छतों पर कूदते हैं तो वह किसी पतंग की तरह ही दिखाई पड़ते हैं। बच्चों को किसी भी चोट से डर नहीं लगता इसलिए वह स्वतंत्र होकर पतंग की तरह उड़ने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 6. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) छतों को भी नरम बनाते हुए दिशाओं को मृदंग कि तरह बजाते हुए। दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है?

उत्तर: 'दिशाओं को मृदंग कि तरह बजाते हुए' अर्थात वातावरण में संगीत का निर्माण करने का प्रयास करना।

(ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से और बच जाते हैं तब तो और भी निडर होकर सनहले सूरज के समान आते हैं । जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती है?

उत्तर: नहीं, बच्चों को पतंग उड़ाते वक़्त छत कोमल प्रतीत होती है ना कि कठोर।

(ग) खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

उत्तर: खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम खुद को दुनिया के सामने शक्तिशाली समझते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 7. आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे ख्याल आते हैं? लिखिए।

उत्तर: आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर हमारे मन में यह ख्याल आता है कि हम भी उनके जैसे उड़ रहे हैं। हम भी बिल्कुल पतंग की तरह ही ऊँचा उड़ने का सपना देखते है और पतंग की तरह ही खुले आसमान में स्वतंत्र होकर उड़ना चाहते हैं।

प्रश्न 8. 'रोमांचित शरीर का संगीत' का जीवन के लय से क्या सम्बन्ध है?

उत्तर: जब हम अपनी पसंद की चीजें करते हैं तो उसमे हमारा पूरा दिल लगा होता है। वह काम हमें करने में संतुष्टि मिलती है, हम उस काम से उबते नहीं हैं। वह काम हमें रोमांच से भर देता है। जिसकी वजह से हमारा शरीर अच्छा से काम करता है। यही रोमांचित शरीर के संगीत हैं।

प्रश्न 9 'महज़ एक धागे के सहारे, पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ' उन्हें (बच्चों को) कैसे थाम लेती हैं? चर्चा करें।

उत्तर: जब बच्चे छतों के किनारों से गिरने के करीब होते हैं, तो पतंग की डोर उन्हें सुरक्षित रखती है। बच्चों को डोर से उतना ही लगाव होता है जितना कि पतंग से। वे पतंग के उड़ने का आनंद लेते हैं और साथ ही डोर की लंबाई का भी ध्यान रखते हैं। पतंगों की ऊँचाइयाँ बच्चों को संभलने में मदद करती हैं।

आपकी कविता

प्रश्न 1. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों में तुलसी, जायसी, मतिराम, विजदेव, मैथिलीशरण गुप्त आदि कवियों ने भी शरद ऋतु का सुंदर वर्णन किया है। आप उन्हें तलाश कर कक्षा में सुनाएँ और चर्चा करें कि पतंग कविता में शरद ऋतु वर्णन उनसे किस प्रकार भिन्न है?
उत्तर: विद्यार्थी इसे स्वयं करें।

प्रश्न 2. आपके जीवन में शरद ऋतु क्या मायने रखती है?
उत्तर: हर ऋतु का अपना महत्व होता है, और वे समय के अनुसार आती-जाती हैं। शरद ऋतु का एक विशेष स्थान है, क्योंकि इस समय प्रकृति नई और आकर्षक लगने लगती है। हर कोई इस प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना चाहता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in